



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमित्राचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२११६ मास्क२	१-११-२३	५	१-५

### भारकर खास • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने प्रदेश में उपज बढ़ाने में दिया महत्वपूर्ण योगदान किसानों की मेहनत लाई रंग, 7 गुणा बढ़ा दिया खाद्यान्न उत्पादन

भारकर खास | हिसार

हरियाणा प्रदेश का 1 नवंबर 1966 को जब अलग राज्य के रूप में गठन हुआ था उस समय खाद्यान्न उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़कर कर 323 मिलियन टन होने की उम्मीद है। हमारी खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ती थी। हरियाणा का बासमती चावल भी विदेशों में जा रहा है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का नियांत केवल हरियाणा कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से ही होता है। इसमें हरियाणा कृषि बीआर काम्बोज विश्वविद्यालय का खास योगदान रहा है, यूनिवर्सिटी ने अब तक 35, फल, सब्जी, तिलहन और चारा की 284 किस्में विकसित की है। यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से 580 एमओयू लिए गए हैं। यूनिवर्सिटी 20 पेंटेट और 12 कॉमोडिट्स लिए हैं। हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 46.8 किलोटन प्रति हेक्टेएक्टर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 किलोटन प्रति हेक्टेएक्टर है।



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज

#### इस साल यूनिवर्सिटी में पहुंचे राष्ट्रपति व उप राष्ट्रपति

एचएयू बीते अग्रैल माह में 25वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें राष्ट्रपति द्वारा प्रदीप मर्मु ने शिरकत की। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का भी हक्की में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला-2023 के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि आगमन हुआ। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नूह में खुलने वाले विश्वविद्यालय के नए कृषि विज्ञान केंद्र का शिलान्यास किया है।

#### हक्की का बाजारा व चारा देशभर में सर्वश्रेष्ठ

हक्की के बाजारा और चारा अनुभागों को इनकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अबाई विज्ञानिकों द्वारा आयोजित किया गया। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को सरसों में उल्कट अनुसंधान केंद्र अबाई विज्ञानिकों द्वारा आयोजित किया गया। हक्की के वैज्ञानिकों ने सरसों की आरएच 1975, आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक तीन नई उत्प्रकार विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। हक्की ने देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क एनआईआरएफ में कृषि शोध संस्थानों में 10वां स्थान प्राप्त किया है।

प्रदेश के गठन के समय खाद्यान्न उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था, जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़कर 323 मिलियन टन पहुंच जाएगा। उत्पादन बढ़ाने में हक्की का खास योगदान रहा है। यूनिवर्सिटी ने अब तक 35, फल, सब्जी, तिलहन और चारा की 284 किस्में विकसित की है। हरियाणा का बासमती चावल विदेशों में भी जा रहा है।" प्रा. बीआर काम्बोज, कुलपति, हक्की



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण २५ अक्टूबर २०२३	१ - ११.२३	५	१-३

### आधुनिक तकनीकों का किसान ले रहे लाभ

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन

में अपार वृद्धि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक कुलपति प्रो. बीआर पैदावार वाली काम्बोज।

विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई नई तकनीक इजाद करना, और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हरियाणा प्रदेश थेट्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा प्रदेश है जबकि देश के खाद्यान भंडारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में शामिल है। हक्किय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में

बोलते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय हरियाणा प्रदेश के साथ नए वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश का एक नवंबर 1966 को जब अलग राज्य के रूप में गठन हुआ था उस समय खाद्यान उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था। जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़चढ़ कर 185 लाख टन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 46.8 किंवद्दल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 किंवद्दल प्रति हैक्टेयर है। खाद्यानों के अधिक उत्पादन के चलते हरियाणा राज्य केंद्रीय खाद्यान भंडार में बोगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। उन्होंने कहा कि हरियाणा बासमती चावल के लिए भी विशेष रूप से विख्यात है

तथा देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। उन्होंने कहा कि हक्किय के बाजरा और चारा अनुभागों को इनकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने सरसों की आरएच 1975, आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक तीन नई उन्नत किस्में विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। कुलपति ने कहा कि हक्किय ने देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में 10वां स्थान प्राप्त किया है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञात सभान्याम्	१ - ११.२३	५	१-२

### विश्वविद्यालय की उन्नत किसीं व आधुनिक तकनीकों से अन्य राज्यों के किसान भी उठा रहे लाभ : प्रो. काम्बोज

हिसार, ३१ अक्टूबर (विशेष नमी) : प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार बुद्धि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किसीं विकसित करता, नई-नई तकनीकें इजाद करता, और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहरत का परिणाम है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा प्रदेश है जबकि देश के खाद्यान भंडारण व फसल उत्पादन में अप्रणीत प्रदेशों में शामिल है। हक्कुलि के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में बोलते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह बड़े गर्व का विषय है कि आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हरियाणा प्रदेश के साथ नए संकल्पों व तकनीयों का साथ नए वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश का १ नवंबर १९६६ को जब अलग राज्य के रूप में मरन दुआ था उस समय खाद्यान उत्पादन मात्र २५.९२ लाख टन था जोकि वर्ष २०२२-२३ में बढ़कर २३३ मिलियन टन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की गेहूँ की जीसत पैदावार ४६.४ किंटल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की जीसत पैदावार २०.६ किंटल प्रति हैक्टेयर है। खाद्यानों के अधिक उत्पादन के चलते हरियाणा राज्य केंद्रीय खाद्यान भंडार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। उन्होंने कहा कि हरियाणा जासमती चावल के लिए भी विशेष रूप से बिज्ञात है तथा देश के ६० प्रतिशत से अधिक जासमती चावल का नियर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय आज सफलता से भरा वर्ष पौङ्के छोड़ रहा है। मैं इन सफलताओं के पौङ्के रीढ़ की तरह काम करने वाले अपने शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों का धन्यवाद करता हूँ। जिन्होंने अधिकार व दायित्व में सामर्जस्य बनाए सखकर विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान व विस्तार कार्यक्रमों में अनेक उपलब्धियाँ हासिल करने के साथ विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि हक्कुलि के आजरा और चारा अनुभागों को इनकी सर्वेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	31.10.2023	--	--

## विश्वविद्यालय की उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से अन्य राज्यों के किसान भी उठा रहे लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार ( चिराग टाइम्स )

प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा प्रदेश है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में शामिल है।

हक्कि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में बोलते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह बड़े गर्व का विषय है कि आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हरियाणा प्रदेश के साथ नए संकल्पों व लक्ष्यों के साथ नए वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश का 1 नवंबर 1966 को जब अलग राज्य के रूप में

गठन हुआ था उस समय खाद्यान उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़चढ़ कर 323 मिलियन टन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 46.8 किंटल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 किंटल प्रति हैक्टेयर है। खाद्यानों के अधिक उत्पादन के चलते उन्होंने कहा कि हरियाणा बासमती चावल के लिए भी विशेष रूप से विख्यात है तथा देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय आज सफलता से भरा वर्ष पीछे छोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हक्कि के बाजरा और चारा अनुभागों को इनकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय में संरचनात्मक

सुविधाओं में विसार करते हुए प्रशासनिक भवन में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नया सम्मेलन कक्ष भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने बीते अप्रैल माह में 25वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्वापदी मुर्मु जी ने शिरकत कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। देश के उपराष्ट्रपति माननीय श्री जगदीप धनखड़ जी का भी हक्कि में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला-2023 के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यालिंग आगमन हुआ। यह विश्वविद्यालय भविष्य में भी तरकी के नए मुकाम बनाता रहेगा इसी कामना के साथ प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की पुनर्हार्दिक शुभकामनाएं।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ नवंबर २०२३	१ - ११.२३	५	७-८

**एकता से ही देश के विकास में  
गति संभव : प्रोफेसर काम्बोज  
हृषि में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई**



हृषि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने फॉर्म यूनिटी में दौड़ते हुए।

मास्कर न्हुज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज लौह-पुरुष व भागत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रमों का आगाज प्रातः रन फॉर यूनिटी- एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना

पूर्ण योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर बीसी ने विवि के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मडल, ओएसडी डॉ. अनुल ढीगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पलन कुमार, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा, सहायक कुलसचिव ताराचंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, और शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दिनेश राठ, राष्ट्रीय सेवा योजना अधारी डॉ. भगत सिंह को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूतजाला	१५. ११. २३	५	.६-७

**एचएयू में सन-फॉर यूनिटी में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज भी दौड़े**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लैंग-पुरुष बल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। सन-फॉर यूनिटी-एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने झँडी दिखाकर शुभारंभ किया। उन्होंने कुछ दूरी तक खुद भी दौड़ लगाई। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डॉ. अतुल दीगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मेडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। संवाद



एचएयू में सन-फॉर यूनिटी में दौड़ते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। शैत: संवाद



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ज्ञानकूट १२०१	१ - १०.२३	३	५-६

### एकता से ही देश का विकास : प्रो. काम्बोज

जागरण, संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लौह-युग व भारत रत्न सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रमों का आगाज प्रातः रन फार यूनिटी-एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सरदार बल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विभिन्नता में एकता हमारी पहचान है तथा यह इस देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सरदार पटेल ने



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज नन पॉर्ट यूनिटी में दौड़ते हुए। • पीआरओ

देश की आजादी के बाद देश की एकता के सूत्र में पिरोने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने 560 से अधिक छोटी-छोटी रियासतों में बटे इस देश को बिना रक्त बहे एक करके संगठित भारत की रचना की। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव डा. बलबान सिंह मंडल, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, परीक्षा नियंत्रक डा. पवन कुमार, मौड़िया एडवाइजर डा. संदाप आदि, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा, सहायक कुलसचिव ताराचंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दिनेश राड़, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डा. भगत सिंह आदि मौजूद थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ए०२-भ०८	१ - ११.२३	११	४

### राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई पटेल की जयंती

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को लोह-पुलष व मारत रत्न सरदार चलामाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में उमेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक व मैरिशिक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रमों का आगाज प्रात रज फॉर यूनिट-एकता बौद्ध से हुआ जिसका कुलपति प्रो. डॉ. आर. कामबेज ने झंडी दिवाकर शुभारंग किया। एकता बौद्ध ने कुलपति स्वर्य में उन्हें अधिकारियों के साथ शामिल हुए। इस भौक पर कुलपति प्रो. डॉ. आर. कामबेज ने सरदार चलामाई पटेल को ग्रहणालय देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को छनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की आपेक्षा की। उन्होंने कहा विभिन्नता में एकता हमारी पहचान है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	31.10.2023	--	--

# सरदार पटेल जयंती पर हृकृषि में रन-फॉर यूनिटी की आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज लौह-पुरुष व भारत रत सरदार बलभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रमों का आगाज प्रातः सन फॉर यूनिटी- एकता दीड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। इस भौके पर कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने सरदार बलभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समृद्धाय से राष्ट्र की



कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज एन एफ यूनिटी को ज्ञाप्ति दिया हुए।

एकता व अस्थांडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विभिन्नता में एकता हमारी पहचान है तथा यह इस देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक

है। सरदार पटेल ने देश की आजादी के बाद देश को एकता के सूत्र में पिरोने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने 560 से अधिक छोटी-छोटी रियासतों में बटे इस देश को बिना रक्त बहे एक कल्पे संगठित भारत की रचना की। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। एकता दीड़ में कुलपति स्वयं भी अन्य अधिकारियों के साथ शामिल हुए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	31.10.2023	--	--

### हकूमि में सरदार बलभाई पटेल जयंती पर आयोजित की रन-फॉर यूनिटी व शपथ दिलाई

समस्त हरियाणा न्यूज में अपना पूरी योगदान देने की आशीर हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा जी। उन्होंने कहा विधायिका में एकता कृषि विश्वविद्यालय में ज्ञान ही है-पूछ इधारी पहचान है वक्ता यह इस देश के व भारत राज सरदार बलभाई पटेल की विकास के लिए अपनी आवश्यक है। जल्दी राष्ट्रीय एकता विषय के लाभ में सरदार पटेल ने देश की आजूदी के बाद पनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय देश को एकता के सूत्र में लिंगोंने का व अपेक्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने 560 जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक व से अधिक हाई-ऑफ विद्यार्थियों में वे रीराशिक कर्मचारियों तक विद्यार्थियों इस देश को विना रक्ख बढ़े एक करके दें वडे उत्तमात्मा से भाग लिया। कार्यक्रमों खालिक भाषा की रखना की। हमें उन्होंने का आगाम प्राप्त रूप कर और शूटिंग-प्रैणा लेनी चाहिए। एकता दीइ में एकता दीइ से हम जिम्मा कुलाचीत कुलाचीत भव्य भी अब अधिकारियों के औ. वो. आर. काल्योज ने इष्टहो साथ भासित हुए। यह दीइ विश्व विद्यालय दीउत्तम भवन से आरंभ हुई कृष्णाचारि. औ. आर. काल्योज ने और लोगों को देश की एकता का सर्वो महाराज बलभाई पटेल को प्रदानीत दिया। इस अवसर पर ज्ञानालय ने ऐसे दूर विश्वविद्यालय समृद्धि से राष्ट्र विश्वविद्यालय के कुलाचीत हाँ. की एकता व अखंडता को बनाए रखने कामान सिंह पंडित, और एसडी डॉ.



अमृत हाँगड़ा, अमृकेल निदेशक डॉ. कुलाचीत महाप्रकाश कृष्णल अरोड़ा, महायक राष्ट्रीय सेवा योजना अधार्डी डॉ. भास जीराम राम, वित्त विषयक नवाचन डॉ. बृत्तार्थीचय लालचंद, मूलम सुखा सिंह भाईत सभी कार्यालयों से शिक्षक व वर्षीय विषयक डॉ. पण्डित द्वयाल संदीप आर्य, कार्यालय संघ के प्रधान दिनेग राहु. औ राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	31.10.2023	--	--

### झूँझि में सरदार बलभद्राई पटेल जगती पर आयोजित की रन-फॉर यूनिटी त शापथ दिलाई

**पांच बजे न्यूज** में आयोजित यूनिटी नियन्त्रण है औ अधीक्षित हिसार। यौंची वारा खेड़े हरियाणा की। उठीं रेत का नियन्त्रण में एकत्र कृषि विभागालय में आठ लीड-पूर्व इकाई पटेल है तथा वह इस देश के १५ लोक रत शासक विद्युतीय रेत की नियन्त्रण के लिए अपेक्षित ग्राहक है। जैसी कृषि एकता नियन्त्रण के रूप में शाश्वत रेत ने देश की आवासी के बारे बहुत गहरा। इस अवसर पर विभागालय रेत को एकत्र के घृत में प्रियोग करने के लिए कार्यालय आयोजित किए गए। वहाँ परम्परागत कार्य किया। उठींने ५६० लिंग्विं विभागालय के नियन्त्रक व वे अधिक लोटी-लौटी नियन्त्रणों में वर्ते नियन्त्रक कर्मचारियों हाल नियन्त्रणों इस देश की नियन्त्रण बढ़े एक बाल्क के बढ़े उत्तमता से पाल लिया। कार्यालयीं संगठित भावन की रखना थी। हमें इन्होंने काम का जाह्नवी प्रक्रिया करने की चाहीं। ऐसा दीड़ में एकता दीड़ में दृश्य नियन्त्रण का कृत्यवाही कृत्यवाही वर्त से अपन अधिकारियों के दी थीं। अब जाह्नवी के दृश्य दृश्य शाश्वत हुए। यह दीड़ नियन्त्रण कर लूकाई किया। इस दीड़ पर नियन्त्रण के उत्तमता भाव से आधिकारियों द्वारा करना दीक्षा रत्न रेत के दीर्घ लोटी को देश की एकत्र का संदर्भ बना। नियन्त्रण कार्यक की दृश्य दृश्य सेवा गीतना उत्तरी था। भारत लूकाई गई। अन्योन्य नियन्त्रक हीरों ने, नियन्त्रण लोटी-लौटी नियन्त्रण के लिए शाम भूमि कृपा किए। एक शिवक गैरिगिराव कर्मचारियों द्वारा नियन्त्रण की एकत्र व जाह्नवी की बरपे रहुने वालाने खेड़े वहाँ, लौटाई की देने प्रक्रिया एहत्तवार दो लंबी भाव, कर्मचारी की देने प्रक्रिया एहत्तवार दो लंबी भाव दिया।



लूकाई दीना, अन्योन्य नियन्त्रक हीरों ने, नियन्त्रण की दृश्य दृश्य सेवा गीतना उत्तरी था। भारत लूकाई गई। अन्योन्य नियन्त्रक न्योन त्री-लौटी नियन्त्रण करने की दृश्य दृश्य सेवा गीतना उत्तरी नियन्त्रण के लिए शाम भूमि कृपा किए। एक शिवक गैरिगिराव कर्मचारियों द्वारा नियन्त्रण की एकत्र व जाह्नवी की बरपे रहुने वालाने खेड़े वहाँ, लौटाई की देने प्रक्रिया एहत्तवार दो लंबी भाव, कर्मचारी की देने प्रक्रिया एहत्तवार दो लंबी भाव दिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीन के भास्तु	२- ११. २३	६	६-८

### हरे चारे में हिसार बरसीम-1 व 2 गुणकारी, हल्की और खारी मिट्टी पर भी देती हैं अच्छी पैदावार

जापानी सरसों या चाइनीज कैबेज को साथ मिलाकर बिजाई करें किसान

यशपाल सिंह | हिसार

हरे चारे के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की हिसार बरसीम-1 और हिसार बरसीम-2 प्रमुख किस्में हैं। बरसीम में 18-22 प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा होने व अंगूठी के लिए गुणकारी चारा माना जाता है। मध्यम से भरी मिट्टी बरसीम की फसल के लिए उपयुक्त होती है। इसे हल्की व खारी मिट्टी में भी डागाया जा सकता है। हक्किंवि के सहायक बैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने बताया कि 1 एकड़ के लिए 8-10 किलो बीज को एक प्रतिशत नमक के घोल में डालकर रखना चाहिए। बीज को चिट्ठियों से बचाने के लिए मिथाइन पैराथियन 2 प्रतिशत धूड़ का भुरकाव करें। पहली

#### ये हैं बरसीम की उन्नत किस्में

- मैरकायी बरसीम: ये पुरानी किस्म नवबर से मई तक 4-5 अच्छी कटाइयां देती हैं। औसत पैदावार 250-270 किलोटल प्रति एकड़ है।

- हिसार बरसीम-1: यह किस्म मैरकायी के मुकाबले अधिक पैदावार, जल्दी बढ़वार एवं अच्छी गुणवत्ता वाली और 8-10 दिन अधिक हरी रहने वाली किस्म है। यह 280-300 किलोटल प्रति एकड़ हरा चारा देती है। इस तरह गलन एवं जड़ गलन रोपों की प्रतिरोधी है।



बरसीम की फसल की फाइल फोटो

- हिसार बरसीम-2: यह किस्म 310-325 किलोटल प्रति एकड़ हरा चारा देती है। अधिक पैदावार के लिए इसके बीज को जीवाणुओं राइजोबियम कल्चर से बिजाई से पहले टीकाकरण करना चाहिए।

फसल में बरसीम के 8 किलो बीज के अतिरिक्त 500 ग्राम जापानी सरसों या चाइनीज कैबेज बीज एक एकड़ के लिए काफी हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अजीत सभाना २	१ - ११.२३	५	६-४

### जलवायु परिवर्तन की स्थिति में बढ़ती जनसंख्या के लिए पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी : डॉ. जॉन्स

हिसार, ३१ अक्टूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में २१वीं शताब्दी में कृषि का भविष्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस, यूएसए के चांसलर डॉ. रोबर्ट जे. जॉन्स रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह व्याख्यान का आयोजन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस, यूएसए द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. रोबर्ट जे. जॉन्स ने जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, व सतत कृषि विकास जैसे मुद्दों को चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर जोर देते हुए कहा कि विषय में बढ़ती जनसंख्या के लिए जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव चिंतनीय हो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन से हो रहे दुष्प्रभावों से निपटने के लिए न केवल पौर्णसी प्लानर



कार्यक्रम के दौरान  
मंच पर मौजूद डॉ.  
रोबर्ट जे. जॉन्स  
एवं हक्की के  
कुलपति प्रो.  
बी.आर. काम्बोज।

बल्कि कृषकों व आम जनता को भी सतर्क रहने की जरूरत है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि तीव्र गति से बढ़ रही जनसंख्या को भोजन और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कृषि उत्पादन बढ़ाना २१वीं सदी की एक प्रमुख चुनौती है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन के खतरे ने वैज्ञानिकों में चिंता पैदा कर दी है क्योंकि इससे फसल उत्पादन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाता है। क्योंकि यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग १४.१ प्रतिशत का योगदान देता है। यह क्षेत्र राज्य की लगभग ५१ प्रतिशत कामकाजी

आबादी को रोजगार भी प्रदान करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस के कृषि उपभोक्ता एवं पर्यावरण विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता जर्मन बॉलेरो ने कृषि से जुड़ी चुनौतियों जैसे फसल विविधकरण, सतत कृषि विकास, उत्पादन में बृद्धि व पर्यावरण परिवर्तन पर चर्चा करते हुए कहा कि इन समस्याओं को प्राकृतिक खेती, कृषि से जुड़ी उन्न उत्तरीय तकनीकें, उन्नत किस्में व आर्टिफिशियल इटेलिजेंस जैसी आशुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर हल किया जा सकता है। कृषि एवं जैविक इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर विजय सिंह ने बताया कि विषय के सतत विकास के लिए पौष्टिक अनाज व नवीनीकरणीय कुर्जी पर कार्य करने की ज़रूरत है।